हिमालय के विकास में विज्ञान व तकनीकी की अहम भूमिका

यूटीयू और हैस्को के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) तथा हिमालयन पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संगठन (हैस्को) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हैस्को के निदेशक पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा, हिमालय के विकास में विज्ञान एवं तकनीकी की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे में इस समझौते का भी महत्व बढ़ जाता है।

उन्होंने बताया, करार के तहत दोनों संस्थाओं की ओर से हिमालय के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और वैज्ञानिक व तकनीकी विकास तथा शोध में भागीदारी की जाएगी। साथ में ऐसे प्रयोग किए जाएंगे जो कि मात्र उत्तराखंड में ही नहीं बल्कि पूरे हिमालयी रीजन के लिए लाभकारी सिद्ध हों।

वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा, एमओयू का उद्देश्य विवि राज्य में तकनीकी शिक्षा के विकास और उन्नति व उससे संबंधित मामलों के दृष्टिगत प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर अपने छात्रों और पेशेवरों के सीखने और कौशल के बीच के अंतर को पाटना है। कहा, राज्य में मानव जीवन के आसान बनाने के लिए प्रक्रियाओं में बढ़ोत्तरी व नई प्रक्रियाओं, उत्पादों के विकास और ग्रामीण टैक्नोलॉजी के विकास के लिए अध्ययन ओर शोध के कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा।

समझौता ज्ञापन दिखाते पद्मभूषण अनिल जोशी और विवि के अधिकारी। संवाद

ग्रामीण विकास और संरक्षण में हैस्को की विशेषज्ञता को विवि की तकनीकी विशेषज्ञता के पूरक के रूप में मिलकर इस्तेमाल किया जाएगा। इस दौरान विवि के कुलसचिव डॉ. सत्येन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनय कुमार पटेल मौजूद रहे।